

विद्या भवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

वर्ग नवम विषय संस्कृत शिक्षक श्यामउदय सिंह

ता:-24-06-2021(एन.सी.आर.टी. पर आधारित)

पाठः सप्तमः पाठनाम प्रत्यभिज्ञानम्

1. श्लोकानाम् अपूर्णः अन्वयः अधोदतः। पाठमाधृत्य रिक्तस्थानानि पूरयत-

- i. पार्थं पितरं मातुलं च उद्दिश्य कृतास्त्रस्य तरुणस्य युक्तः।
- ii. कण्ठशिलष्टेन जरासन्धं योक्त्रयित्वा तत् असहयं कृत्वा (भीमेन) कृष्णः अतर्दर्हतां नीतः।
- iii. रुच्यता रमे। ते क्षेपेण न रुच्यामि, किं अहं नापरादधः, कथं (भवान्) तिष्ठति, यातु इति।
- iv. पादयोः निग्रहोवितः समुदाचारः । बाहुभ्याम् आहतम् (माम्) बाहुभ्याम् एव नेष्यति।

उत्तराणि-

v. जनार्दनम्, युद्धपराजयः

vi. बाहूना, कर्म

vii. भवता, उक्त्वा

viii. क्रियताम्, भीमः

2. (क) अधोलिखितेभ्यः पदेभ्यः उपसर्गान् विचित्य लिखत-

| पदानि | | उपसर्गः | |
|-------|----------|---------|-------|
| यथा- | आसाद्य | - | आ |
| (i) | अवतारितः | - | _____ |
| (ii) | विभाति | - | _____ |
| (iii) | अभिभाष्य | - | _____ |

| | | | |
|--------|--------------|---|-------|
| (iv) | उद्भूताः | - | _____ |
| (v) | तिरस्क्रियते | - | _____ |
| (vi) | प्रहरन्ति | - | _____ |
| (vii) | उपसर्पतु | - | _____ |
| (viii) | परिरक्षिताः | - | _____ |
| (ix) | प्रणमति | - | _____ |

| पदानि | | उपसर्गः |
|--------|--------------|---------|
| यथा- | आसाद्‌य | - आ |
| (i) | अवतारितः | - अव |
| (ii) | विभाति | - वि |
| (iii) | आभिभाष्य | - अभि |
| (iv) | उद्भूताः | - उत् |
| (v) | तिरस्क्रियते | - तिरः |
| (vi) | प्रहरन्ति | - प्र |
| (vii) | उपसर्पतु | - उप |
| (viii) | परिरक्षिताः | - परि |
| (ix) | प्रणमति | - प्र |

(ख) उदाहरणमनुसृत्य कोष्ठकदत्तपदेषु पञ्चमीविभक्तिं प्रयुज्य वाक्यानि पूरयत्-
यथा- श्मशानाद् धनुरादाय अर्जुनः आगतः। (श्मशान)

- i. पाठान् पठित्वा सः _____ आगतः। (विद्यालय)
- ii. _____ पत्राणि पतन्ति। (वृक्ष)
- iii. गङ्गा _____ निर्गच्छति। (हिमालय)
- iv. क्षमा _____ फलानि आनयति। (आपण)
- v. _____ बुद्धिनाशो भवति। (स्मृतिनाश)

उत्तराणि-

- vi. विद्यालयत्
- vii. वृक्षात्
- viii. हिमालयात्
- ix. आपणात्
- x. स्मृतिनाशात्